

क्वालिटी टीचिंग से संतुलित व्यक्तित्व का होता है विकास...

अच्छे शिक्षक से पढ़ने वाले बच्चे बड़े होकर कमाते भी हैं ज्यादा

शिक्षकों की गुणवत्ता और छात्रों पर उसका असर हमेशा से अकादमिक बहस का विषय रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक सर्वे में बताया गया है कि अच्छे शिक्षकों से पढ़ाई करने वाले बच्चे न केवल अकादमिक रूप से बेहतर परफॉर्म करते हैं, बल्कि बड़े होकर दूसरे सहापठियों की तुलना में कमाई भी ज्यादा करते हैं। इस मामले में सबसे ज्यादा असर प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा के दौरान छात्रों को अच्छे शिक्षकों का साथ मिलने का होता है।



बुरे शिक्षक छात्रों पर नहीं छोड़ते अपना असर

सर्वे में शामिल अधिकतर लोगों ने माना कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिहाज से अच्छे शिक्षकों का साथ ज्यादा असरदार होता है। औसत दर्जे के शिक्षक भी अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब होते हैं, लेकिन नॉलेज के स्तर पर कमजोर शिक्षकों का असर छात्रों पर नहीं पड़ता है। यही वजह है कि अच्छे शिक्षकों से पढ़ने वाले छात्र अपने सहापठियों की तुलना में जीवनभर बेहतर परफॉर्म करने में सफल होते हैं।

25 लाख लोगों पर हार्वर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने किया अध्ययन

84% लोग मानते हैं अच्छे शिक्षक बच्चों के लिए बेहतर

बच्चों के बेहतर भविष्य का निर्धारण करने में सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम

अध्ययन

आईवी लीग और वर्ष 2017 में आस्ट्रेलिया-यूके के एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। हार्वर्ड व कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर्स व उनकी टीम ने यह अध्ययन दो दशक से ज्यादा समय में 25 लाख लोगों पर किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि शिक्षा और कमाई के बीच परस्पर संबंधों पर यह अब तक का सबसे बड़ा अध्ययन है। खासकर कम उम्र के बच्चों पर इस बात का असर ज्यादा होता है, जो उनके भविष्य को बेहतर बनाने में कारगर साबित होता है। इससे साफ हो गया है कि शिक्षकों की गुणवत्ता और समझ का गहन प्रभाव छात्रों के करियर पर भी पड़ता है।

छात्रों पर होता है गहरा असर

वर्ष 2017 में आस्ट्रेलिया और यूके के एक अन्य अध्ययन में यह बताया गया है कि एक बेहतर शिक्षक और उसका व्यापक अनुभव न केवल आदर्श समाज के निर्माण में, बल्कि युवाओं के बेहतर भविष्य का निर्धारण करने में सबसे ज्यादा प्रभावी होता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि माध्यमिक शिक्षा स्तर तक पढ़ाई करने वाले छात्रों पर शिक्षकों की समझ का गहरा और दूरगामी असर पड़ता है, जो बच्चों के लिए जीवन के हर मोड़ पर मददगार साबित होता है।

शिक्षा और कमाई में सीधा संबंध

विस्कॉन्सिन-मैडिसन यूनिवर्सिटी बैल्बू एंडेड रिसर्च सेंटर के निदेशक रॉबर्ट एच मेयर का कहना है कि अच्छे शिक्षकों की देखरेख में पढ़ने वाले बच्चे अकादमिक करियर में अच्छा स्कोर करने में सफल होते हैं। वे भविष्य में बेहतर संस्थानों और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित होते हैं। बाद में इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी औसत आमदनी पर भी पड़ता है। यही वजह है कि जिस राजनीतिक व सामाजिक व्यवस्था में शिक्षा पर जोर होता है, वहां के लोग हर मामले में आगे नजर आते हैं।

शिक्षण का काम आसान नहीं

केव्यूईडी स्पेस की ओर से 2015 में जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में भी बताया गया था कि शिक्षण का काम बहुत कठिन होता है। क्योंकि ऐसे के बल पर कोई अच्छा शिक्षक नहीं बन सकता। पर अच्छा शिक्षक हर दृष्टि से युवाओं का संतुलन जरूर बना सकता है। यह काम शिक्षक बौद्धिक क्षमता के बल पर करते हैं। शिक्षण संस्थानों में कार्यरत ऐसे लोग निजी व सार्वजनिक जीवन में सकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा जोर देते हैं और प्रयोगवादी होते हैं। वो खुद अपने जीवन में नई-नई बातों की जानकारी हासिल करने के लिए सक्रिय रहते हैं, जिसका लाभ बच्चों को मिलता है।

बनी रहेगी प्रासंगिकता

2014 में मैनहट्टन में माध्यमिक स्कूल के छात्रों व शिक्षकों के बीच कराए गए एक अध्ययन में भी ये बातें सामने आई थी कि एक महान शिक्षक बच्चों के जीवन को बदलने वाले साबित होते हैं। यही कारण है कि हर दौर में आदर्श समाज और अच्छे नागरिक के निर्माण में उनकी प्रासंगिकता बनी रहती है। इसके विपरीत बुरे शिक्षक किसी भी दृष्टि से छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक नहीं होते।

अनुकूल परिवेश का मनोवैज्ञानिक प्रभाव



मनोविज्ञानी डॉ. सीमा शर्मा का कहना है कि मानव व्यक्तित्व एक स्थिर अवस्था न होकर हमेशा गतिशील होता है। इसका सीधा असर उसके मन मस्तिष्क पर पड़ता है। अगर आप अच्छे लोगों के साथ होते हैं तो उसका असर भी अच्छा होता है। यही बात अच्छे शिक्षकों के संपर्क में होने पर बच्चों में होता है। यानी बच्चों पर उसके परिवेश का प्रभाव पड़ता है। उसी के अनुरूप उसका व्यक्तित्व भी विकसित होता है, जो बाद में भी उसके आचार-विचार, व्यवहार और गतिविधियों में झलकता है।